जागृति

चरखा विशेष

वर्ष: 60 अंक: 9 मुम्बई अगस्त 2016

चरखा विशेषांक

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ग्रामीण औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुंबई

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:60 अंक:9 मुम्बई अगस्त 2016

सम्पादक मंडल

अध्यक्ष

अरुण कुमार झा

सम्पादक

के. एस. राव

उप सम्पादक

सुबोध कुमार

अवर उप सम्पादक

अमृता सोम मुखर्जी

अवर हिन्दी अनुवादक

सरस्वती खनका

वरिष्ठ कलाकार

संजय एस. सोमदे

कलाकार

चंद्रशेखर पुनवटकर,

दिलीप पालकर

के. सुब्बाराव, द्वारा प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय, खादी और ग्रामोद्योग आयुक्त कार्यालय, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056 के लिए प्रकाशित

टेलिफैक्स: 022-26719465

ई-मेल: jagritikvic@gmail.com वेबसाईट : wwwkvic.org.in

प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय, खादी और ग्रामोद्योग आयुक्त कार्यालय, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056 में प्रकाशित

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता शुल्क	:	रू. 100/-
3 वर्ष के लिये सदस्यता शुल्क	:	रू. 250/-

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा व्यक्त विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा सम्पादक सहमत हों।

समाचार सार 3 से 25

भारत के माननीय प्रधान मंत्री का संदेश.....

आवरण कथा-इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली पर विश्व के सबसे.....

यदि एक सामान्य व्यक्ति एक साल में कम से कम 5000/- रूपये के खादी.....

उत्पादों...कतिनों और बुनकरों के हित में नई प्रौद्योगिकी को अपनायें.....

चरखा हमारे उन अज्ञात योद्धाओं के स्मृति चिन्ह की तरह है .....

चरखे का सन्देश इसकी परिधि से भी अधिक व्यापक है।.....

खादी की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए आयोग द्वारा गिफ्ट वाऊचर की शुरुआत.....

केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री श्री कलराज मिश्र द्वारा नये एमएसएमई राज्य मंत्री.....

सूक्ष्म उद्योगों से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी -कलराज मिश्र.....

एमएसएमई मंत्री द्वारा खादी एयरपोर्ट बिक्री केंद्र का निरीक्षण.....

विशाखापटनम एयरपोर्ट में खादी बिक्री केंद्र.....

उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने महाराष्ट्र के राज्यपाल को आयोग के कार्यक्रमों.....

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के आनॅलाइन कार्यान्वयन हेतु राज्य स्तरीय.....

आयोग के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा के.एन.एच.पी.आई.,जयपुर दौरा.....

आयोग के अध्यक्ष हेरिटेज चरखे पर कताई करते हुए.....

श्री प्रित्पल धीमन द्वारा चरखा दान में दिया गया.....

आयोग द्वारा संसद भवन परिसर में खादी इंडिया स्टॉल का शुभारंभ.....

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई ने खादी को अपने दीक्षांत परिधान के रूप में चुना....

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन.....

विशालतम चरखे का निर्माण.....

चरखे की यात्रा.....एवं उसके स्वरूप.....

विश्व के विशालतम चरखे का निर्माण.....

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र की झलकियां.....25 से 28

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री

Prime Minister

MESSAGE

I am happy to learn that the world's largest wooden charkha, installed by the Khadi and Village Industries Commission at the IGI Airport, New Delhi, is being opened for public viewing on 5th July 2016.

The charkha is a symbol of our glorious heritage, and an inspiring reminder of our freedom struggle, led by the Father of the Nation – Mahatma Gandhi.

I am sure, the charkha will serve to remind travellers at the IGI airport of India's timeless heritage, and the values of sustainability and harmony that it stands for.

(Narendra Modi)

New Delhi
25 June, 2016

आवरण कथा

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली पर विश्व के सबसे बड़े चरखे का अनावरण

"मुझे यकीन है कि यह चरखा आई.जी.आई. हवाईअड्डे पर यात्रियों को भारत के अक्षुण्य विरासत, परंपरा, मूल्यों के स्थायित्व और सामंजस्य का स्मरण कराएगा।"

- भारत के माननीय प्रधानमंत्री

खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आई.जी.आई. हवाईअड्डे, नई दिल्ली के टर्मिनल 3 में चरखे का अनावरण

चरखे के बारे में देशी और विदेशी यात्रियों तथा आगंतुकों के मन में स्वदेशी की भावना जागृत करना है

5 जुलाई 2016, नई दिल्ली : खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आज आई.जी.आई. हवाईअड्डे, नई दिल्ली के टर्मिनल 3 में विश्व के सबसे बड़े काष्ठ चरखे का अनावरण किया गया।

देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे पर दुनिया का सबसे बड़ा चरखा प्रदर्शित करने का मुख्य उद्देश्य भारत की खोज तथा महात्मा गांधीजी द्वारा निरुपित समतावादी समाज को बढ़ावा देने के विचार को उजागर करना है।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सन्देश में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सराहना करते हुए कहा कि "मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विश्व के सबसे बड़े काष्ठ चरखे की स्थापना खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आई.जी.आई. हवाईअड्डे, नई दिल्ली में किया जा रहा है जो कि जनता के दर्शन हेतु 5 जुलाई, 2016 को खोला जायेगा। यह चरखा हमारी गौरवशाली विरासत और महात्मा गांधी के नेतृत्व में लड़े गए स्वतन्त्रता संग्राम का प्रेरणादायी अनुस्मारक है। मुझे यकीन है कि यह चरखा आई.जी.आई. हवाईअड्डे पर यात्रियों को भारत के अक्षुण्य विरासत, परंपरा, मूल्यों के स्थायित्व और सामंजस्य का स्मरण कराएगा।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अहमदाबाद में खादी ग्रामोद्योग समिति द्वारा 55 दिनों में 42 कारीगरों द्वारा तैयार विश्व का सबसे बड़ा सागौन की लकड़ी से बना चरखा; 17 फुट ऊँचा, 30 फुट लंबा, 9 फुट चौड़ा और जिसका वजन 4149 कि.ग्रा. है, को स्थापित कर महात्मा गांधी के पारंपरिक चरखे को नवीन अर्थ और नूतन व्याख्या प्रदान कर पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है।

आवरण कथा

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली पर विश्व के सबसे बड़े चरखे का अनावरण.....

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री अमित शाह ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि आज खादी जीवन शैली बन गई है, यह कुछ लोगों के लिए सामाजिक क्रांति है परन्तु यदि एक सामान्य व्यक्ति एक साल में कम से कम 5000/- रू॰ के खादी उत्पादों की खरीदी करता है तो इससे गरीब व्यक्ति को, रोजी रोटी का अर्जन करने में बहुत बड़ी सहायता होगी|

उन्होंने आगे बताया कि सरकारी विभाग जैसे रेलवे ने अपनी कुल आवश्यकताओं का 40 प्रतिशत ऑर्डर खादी के समक्ष प्रस्तुत किया है जिसमें चादर, तकिए के गिलाफ आदि सम्मलित हैं | इससे 17 लाख लोगों के लिए रोजगार का सृजन होगा|

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के केन्द्रीय मंत्री ने गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस चरखे की स्थापना, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के दिशानिर्देशन में की गई है | उन्होंने आगे कहा कि 'खादी स्वदेशी का प्रतीक है और चरखा स्वतन्त्रता आंदोलन का मूर्त रूप है|' यह विदेशी सामग्रियों का बहिष्कार और आर्थिक क्रांति का प्रतीक है | किन्तु दुर्भाग्यवश चरखे को सार्थक महत्व प्राप्त नहीं हो सका है | यह प्रथम बार हुआ है कि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने न केवल चरखे के प्रति अपनी आत्मीयता और मनोभाव व्यक्त किया है बल्कि यह भी स्पष्ट करने का भी प्रयास किया है कि खादी के प्रति कम होते आम आदमी के लगाव को कैसे बढ़ाया जाय|

उन्होंने आगे बताया कि एक माह में खादी के उत्पादन और बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अभी इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है | कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि "जब उत्पादन और बिक्री में बढ़ोतरी हो रही है तब खादी की गुणवता में वृद्धि होनी चाहिए, डिजाइन की गुणवता और बुनाई में भी सुधार की जरूरत है|" खादी को वैश्विक बाज़ार में उतारने की आवश्यकता है | खादी की मांग वैश्विक बाज़ार में काफी बढ़ रही है | मंत्री महोदय ने ग्रामोद्योगी उत्पाद जैसे कुम्हारी उत्पादों की खरीदी करने का भी अनुरोध किया तथा नई प्रौद्योगिकी पर बोलते हुए उन्होंने सोलर चरखे पर चर्चा की|

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि "चरखा हमारे उन अज्ञात योद्धाओं के स्मृति चिन्ह की तरह है एवं अपरिचित ग्रामीण जनसमूह का प्रतीक है, जिन्होंने राष्ट्र पिता के आह्वान पर, उनके द्वारा दिखाए गए आत्मनिर्भता और श्रम की गरिमा के मार्ग को अपनाया | अपने इस प्रयास में शायद हम हर उस व्यक्ति को प्रलेखित और स्मरण नहीं कर पाये हैं जो सूत बुनकर अहिंसात्मक स्वतन्त्रता संग्राम के पथ पर चले हैं, परंतु जब हम पूर्ण सम्मान के साथ चरखे का उत्सव मनाते हैं तब हम प्रतीकात्मक रूप से उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं|"

चरखा, महात्मा गांधी के खादी प्रचार का मूर्त रूप था|

आवरण कथा

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली पर विश्व के सबसे बड़े चरखे का अनावरण.....

यह स्वदेशी, स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता और परस्पर निर्भरता की पहचान है क्योंकि कपास उत्पादक, धुनियाँ बुनकर, संवितरणकर्ता और उपभोगता यह सब चरखे द्वारा एक-दूसरे पर निर्भर है|

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली के अध्यक्ष श्री जी.एम. सुब्रमणियम ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट में विश्व के सबसे बड़े चरखे की स्थापना कर दिल्ली हवाई अड्डे के मुकुट में एक और हीरा जड़ गया है। "हम राष्ट्र के महान परिसंपति के परिरक्षक हैं एंव स्वदेशी के प्रतीक हैं।" उन्होंने पुनः दोहराया कि इस विचार का मुख्य उद्देश्य देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट में विश्व का विशालतम चरखा स्थापित कर देशी और विदेशी यात्रियों तथा आगंतुकों के मन में स्वदेशी की भावना जागृत करना है।

यह चरखा भारतीय जनता पार्टी के माननीय अध्यक्ष श्री अमित शाहजी के शुभ करकमलों द्वारा माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, श्री कलराज मिश्र, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री, श्री गिरिराज सिंह, सांसद लोकसभा, मीनाक्षी लेखी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव, श्री के.के. जालान, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरुण कुमार झा, डॉ. महेश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्र को समर्पित किया गया।

यह प्रतिष्ठित चरखा प्रस्थान प्रांगण के गेट नंबर 4 और 5 के बीच स्थापित किया गया है जो विभिन्न कलाकृतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दे रही है। टर्मिनल में विद्यमान सभी कलाकृतियां – मुद्राएँ, राजसी शोभायात्रा, हाथी की मूर्तियां, सूर्य की प्रतिमा, सूर्यनमस्कार और वर्ली चित्रकारी- विश्व स्तर पर भारतीय विरासत को दर्शाती है।

इस घंटों लम्बे चले कार्यक्रम की सबसे प्रमुख बात यह थी की बड़ी संख्या में आमंत्रितों और अति विशिष्ट व्यक्तियों के होने के बावजूद भी यह यात्रियों और आगंतुकों को बिना कोई बाधा पहुंचाए शांतिपूर्वक चलता रहा।

●●●

आवरण कथा

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली पर विश्व के सबसे बड़े चरखे का अनावरण.....

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री अमित शाह का भाषण संक्षेप में:

"यदि एक सामान्य व्यक्ति एक साल में कम से कम 5000/- रूपये के खादी उत्पादों की खरीदी करता है तो इससे गरीब व्यक्ति को, रोजी-रोटी का अर्जन करने में बहुत बड़ी सहायता होगी।"

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री अमित शाह ने अपने भाषण में कहा कि आज खादी जीवन शैली बन गई है, यह कुछ लोगों के लिए सामाजिक क्रांति है परन्तु यदि एक सामान्य व्यक्ति एक साल में कम से कम 5000/- रूपये के खादी उत्पादों की खरीदी करता है तो इससे गरीब व्यक्ति को, रोजी-रोटी का अर्जन करने में बहुत बड़ी सहायता होगी।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जो भी लोग सम्पन्न हैं, यदि वे एक साल में 5000/- रूपये की खादी खरीदें, तो देश में ना बेकारी रहेगी, ना कोई भूखा रहेगा, इतनी ताकत इस खादी के विचार में है।

अपने बचपन की यादों का स्मरण करते हुए श्री शाह ने बताया कि उनकी माताजी ने बाल्यावस्था से ही खादी वस्त्रों को उपयोग में लाने की आदत डाली है। अध्यक्ष महोदय ने आगे कहा कि गांधीजी की शाश्वत खादी विचारधारा आज आजीविका का साधन बन गई है, खादी सम्पूर्ण रुप से स्वदेशी में एकीकृत हो गई है तथा आज यह स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की पहचान है, परन्तु कपास उत्पादक, धुनियाँ, बुनकर, संवितरणकर्ता और उपभोगता यह सब चरखे द्वारा एक-दूसरे पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मात्र एक दृष्टिकोण हैं।

उन्होंने आगे पुनः दोहराते हुए कहा कि मशीन और औद्योगिक क्रांति से दो सिद्धांत-पूंजीवाद और समाजवाद का उदय हुआ है। इसमें से प्रथम व्यापार पर और दूसरा सरकार पर केन्द्रित है, किन्तु इसमें से कोई भी व्यक्तिवाद और मानवतावाद पर ध्यान केन्द्रित नहीं करता है। उन्होंने आगे कहा कि मानवतावाद के माध्यम से स्व-रोजगार प्रदान करने की नवीन विचारधारा गांधीजी द्वारा अपनाई गई थी। गांधीजी शब्दों से अधिक कर्म पर विश्वास करते थे। मेरा जीवन ही मेरा संदेश है -गांधीजी का सिद्धांत था।

श्री अमित शाह ने आगे कहा कि गांधीजी ने चरखे के माध्यम से स्थायी रोजगार प्रदान करने और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का आह्वान किया था।

श्री अमित शाह ने सरकारी विभागों द्वारा खादी की खरीदी करने पर ज़ोर दिया, उन्होंने बताया कि सरकारी विभाग जैसे रेलवे ने अपनी कुल आवश्यकताओं का 40 प्रतिशत ऑर्डर खादी के समक्ष प्रस्तुत किया है जिसमे चादर, तकिए के गिलाफ आदि शामिल हैं, इससे 17 लाख लोगों के लिए रोजगार का सृजन होगा।

उन्होंने, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के खादी खरीदने के आह्वान को उद्धृत करते हुए कहा कि मोदीजी ने इस क्रांति का सृजन किया है और हमें जन साधारण के सहयोग से इसे प्रभावी रूप से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

●●●

आवरण कथा

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली पर विश्व के सबसे बड़े चरखे का अनावरण.....

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री के संबोधन का सार

कतिनों और बुनकरों के हित में नई प्रौद्योगिकी को अपनायें.....

समारोह में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री कलराज मिश्र ने गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस चरखे की स्थापना, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के दिशानिर्देशन में की गई है। उन्होंने इस अवसर पर आगे कहा कि 'खादी स्वदेशी का प्रतीक है और चरखा, स्वतंत्रता आंदोलन का मूर्त रूप है। यह विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार और आर्थिक क्रांति का प्रतीक है। किन्तु दुर्भाग्यवश चरखे को सार्थक महत्व प्राप्त नहीं हो सका, यह प्रथम बार हुआ है कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने न केवल चरखे के प्रति अपनी आत्मीयता और मनोभाव व्यक्त किया है, बल्कि यह स्पष्ट करने का भी प्रयास किया है कि खादी के प्रति कम होते आम आदमी के लगाव को कैसे बढ़ाया जाय। हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने आम जनता से आह्वान करते हुए कहा कि जहाँ आप बाकी का सामान खरीदते हैं, वहीं एक खादी का भी खरीदें और इसका लोगों के मन पर तीव्र प्रभाव हुआ है।

उन्होंने आगे बोलते हुए इस अवसर पर बताया कि एक माह में खादी के उत्पादन और बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अभी इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब उत्पादन और बिक्री में बढ़ोतरी हो रही है तब खादी की गुणवता में वृद्धि होनी चाहिए, डिजाइन की गुणवता और बुनाई में भी सुधार की जरूरत है। खादी को वैश्विक बाज़ार में उतारने की आवश्यकता है।

माननीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ने ग्रामोद्योगी उत्पाद जैसे कुम्हारी उत्पादों की खरीदी करने के अनुरोध हेतु प्रधान मंत्री जी द्वारा कहे हुए कथन को उद्धृत किया कि - दीपावली के दिन मिट्टी के दिए (दीपकों) का उपयोग करें।

श्री मिश्र ने यह भी कहा कि कतिनों और बुनकरों के लाभ के लिए नई प्रौद्योगिकी को अपनाना चाहिए, जिससे उनका जीवन सुखमय और संतुष्टमय हो। उन्होंने आगे यह भी बताया कि यहाँ तक कि गांधीजी भी कभी नई प्रौद्योगिकी के विरोध में नहीं थे, बल्कि उन्होंने इस क्षेत्र में कतिनों और बुनकरों के हित में नई प्रौद्योगिकी का समर्थन किया था।

सोलर चरखा के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रौद्योगिकी को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि खादी भविष्य का वस्त्र है और वैश्विक बाज़ार में इसकी काफी महत्ता है। इस वास्तविकता को महसूस करते हुए हमारे माननीय प्रधान मंत्रीजी इसे वैश्विक बाज़ार में बढ़ावा दे रहे है।

माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि खादी, स्वदेशी तथा आत्मीयता का प्रतीक है और यह निश्चित रूप से भौगोलिक और भावात्मक एकता लाएगी, खादी इन सबका प्रतिनिधित्व करती है। खादी की विभिन्न किस्में जैसे असम में मूगा सिल्क, दक्षिण भारत का सिल्क, इसके अतिरिक्त खादी में अनेक विविधता है। उन्होंने आगे बताया कि खादी का प्रचलन मात्र देश में ही नहीं बल्कि वैश्विक बाज़ार में भी दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है।

मंत्री महोदय ने आगे बताया कि यू. एस.अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में खादी की मोदी जैकेट को उपयोग में लाया गया और इसे सम्मेलन में महत्वपूर्ण व्यक्तियों द्वारा पहना गया था। माननीय मंत्री महोदय ने आपसी तालमेल पर प्रकाश डालते हुए इस दिशा में संगठन और सरकार के साथ मिलकर काम करने पर भी अपने विचार व्यक्त किये।

●●●

आवरण कथा

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली पर विश्व के सबसे बड़े चरखे का अनावरण.....

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना का भाषण संक्षेप में

"चरखा हमारे उन अज्ञात योद्धाओं के स्मृति चिन्ह की तरह है .....एवं अपरिचित ग्रामीण जनसमूह का प्रतीक है.....

विश्व के विशालतम चरखा के लोकार्पण के शुभ अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चरखा हमारे उन अज्ञात योद्धाओं के स्मृति चिन्ह की तरह है एवं अपरिचित ग्रामीण जनसमूह का प्रतीक है, जिन्होंने राष्ट्रपिता के आह्वान पर उनके द्वारा दिखाए गए आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा के मार्ग को अपनाया। अपने इस प्रयास में शायद हम हर उस व्यक्ति को प्रलेखित और स्मरण नहीं कर पाये हैं, जो सूत बुन कर अहिंसात्मक स्वतन्त्रता संग्राम के पथ पर चले हैं, परंतु जब हम पूर्ण सम्मान के साथ चरखे का उत्सव मनाते हैं तब हम प्रतीकात्मक रूप से उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। देश की राजधानी के प्रमुख स्थान पर स्वराज के इस प्रतीक को स्थापित करने से यह यात्रियों और आगंतुकों का निरंतर ध्यान आकर्षित करेगा।

यह बहुत ही महत्वपूर्ण बात है कि नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट में चरखा स्थापित किया गया है। यहाँ पर सम्पूर्ण विश्व के लाखों लोग एक क्षण के लिए रुक कर भारत के इस ऐतिहासिक प्रतीक का दर्शन कर इसकी सराहना करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट हमारे लिए उन्मुक्त आकाश का प्रवेशद्वार है जो हमें 1924 में स्वराज के लिए किए गए आह्वान की याद दिलाता है और स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए हमारी आकांक्षाओं को उड़ने के पंख देता है।

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे पर दुनिया का सबसे बड़ा चरखा प्रदर्शित करने का मुख्य उद्देश्य भारत की खोज तथा महात्मा गांधीजी द्वारा निरुपित समतावादी समाज को बढ़ावा देने के विचार को उजागर करना है। टर्मिनल के प्रस्थान प्रांगण में प्रतिष्ठित चरखा स्थापित करने से यह विभिन्न कलाकृतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देगा और इसे आगे ले जाएगा।

अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि लाखों विदेशी जो यहाँ पर्यटन एंव रोजगार के उद्देश्य से आएंगे और अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से गुजरेंगे तो यहाँ पर स्थापित इस अहिंसा के प्रतीक की स्मृति अपने साथ ले जाएंगे। यह चरखा वैसा ही प्रासंगिक है जैसाकि स्वतन्त्रता से पूर्व था।

उन्होंने आगे कहा कि चरखा में ऐसी शक्ति है कि इसको चलाने के लिए किसी शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं है एवं इसे चलाने के लिए कोई आयु सीमा भी नहीं है। उन्होंने बताया कि मोदी नगर निवासी 80 वर्षीय महिला आज भी चरखा चलाती हैं और 60 वर्षीय महिला भी चरखा चला रही है। न्यूनतम निवेश करके आप अपनी जीविका का अर्जन इस चरखे के माध्यम से कर सकते हैं। चरखा चलाने के लिए किसी प्रशिक्षक की, बिजली की और अधिकतम निवेश करने की जरूरत नहीं है। यह आत्म सम्मान के साथ जीविका अर्जन करने का साधन है। यह आपको घर के द्वार पर रोजगार उपलब्ध करने का साधन है। उन्होंने यह भी बताया कि मोदी नगर निवासी 80 वर्षीय अमीना बीबी कहती है कि वह चरखा चलाकर 150/- रुपये प्रति दिन अर्जित करती है।

●●●

आवरण कथा

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली पर विश्व के सबसे बड़े चरखे का अनावरण.....

आई.जी.आई. के अध्यक्ष श्री जी.एम. सुब्रमणियम के संबोधन

चरखे का सन्देश इसकी परिधि से भी अधिक व्यापक है।

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली के अध्यक्ष श्री जी.एम. सुब्रमणियम ने महात्मा गांधीजी का उद्धरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि चरखे का सन्देश इसकी परिधि से भी अधिक व्यापक है। यह संदेश सादगी, मानवजाति की सेवा, दूसरों को बिना कष्ट पहुंचाए जीवन व्यतीत करना, अमीर और गरीब, पूंजी और श्रम, शासक और किसान के मध्य चिरस्थाई बंधन और सुसंबंध स्थापित करने से परिपूर्ण है। यह वृहद संदेश सभी के लिए है।

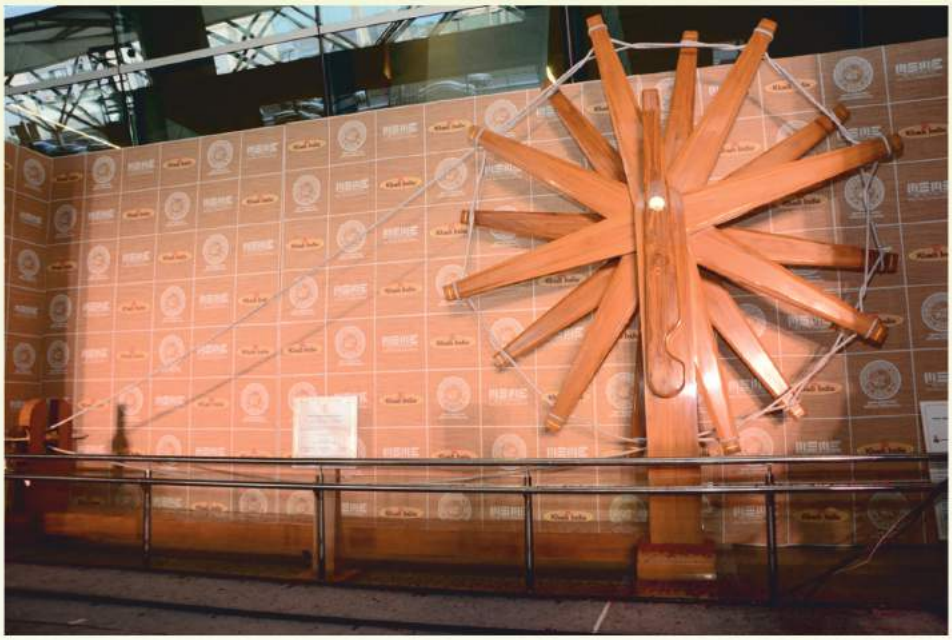

माननीय प्रधान मंत्रीजी के प्रयासों की सराहना करते हुए श्री सुब्रमणियम ने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी आज नए भारत के प्रतीक हैं। हम भाग्यशाली हैं कि आज हमारे देश को ऐसे समर्पित प्रधान मंत्री मिले हैं जो 24/7 राष्ट्र के विकास के लिए सोचते हैं और कार्य करते हैं। सरकार ने, कमजोर एंव वंचित लोगों के विकास के लिए निरंतर कार्य करके सभी भारतीयों के मन में आशा की किरण जगायी है। हमारी सरकार विश्व की सबसे वृहद सम्मिलित वित्तीय योजना जैसे दक्षता विकास, बेहतर शिक्षा, सभी के लिए शौचालय, बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ अभियान, विश्व मुद्रा बैंक से दस्तावेजों के माध्यम से आसानी से बैंक ऋण प्रदान करना, जोकि एक राष्ट्र के लिए बहुत ही विकासात्मक बात है, को संचालित कर रही है। कौशल भारत, स्टार्ट-अप नेशन, मेक इन इंडिया इत्यादि द्वारा उद्यमी बनने के व्यापक अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। श्री सुब्रमणियम ने कहा कि दक्षता विकास के संबंध में माननीय प्रधान मंत्रीजी के विचारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जी.एम.आर. समूह, सम्पूर्ण देश में दक्षता विकास केंद्र संचालित कर रहा है और यह 5000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

आई.जी.आई. के अध्यक्ष ने आगे यह भी बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट में विश्व के सबसे बड़े चरखे की स्थापना कर दिल्ली हवाई अड्डे के मुकुट में एक और हीरा जड़ गया है। हम राष्ट्र के महान परिसंपति के परिरक्षक हैं एवं स्वदेशी के प्रतीक हैं। उन्होंने पुनः दोहराया कि इस विचार का मुख्य उद्देश्य देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट में विश्व का विशालतम चरखा स्थापित कर देश और विदेश के यात्रियों तथा आगंतुकों के मन में स्वदेशी की भावना जागृत करना है।

●●●

खादी की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए आयोग द्वारा *गिफ्ट वाऊचर* की शुरुआत

अब..आप एक गिफ्ट वाऊचर उपहार में दे सकते हैं

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, आक्रमक रूप में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की मार्केटिंग कर रहा है, आयोग ने ग्राहकों को अपने उत्पादों की ओर आकर्षित करने तथा उत्पादों की बिक्री बढ़ाने हेतु गिफ्ट वाऊचरों की नयी शुरुआत 19 जुलाई, 2016 को की। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री कलराज मिश्र ने कनॉट प्लेस, नई दिल्ली स्थित खादी इंडिया आउटलेट में आयोजित एक भव्य समारोह में खादी इंडिया गिफ्ट वाउचर का शुभारंभ किया। यह गिफ्ट वाऊचर 500/- रुपये, 1000/- रुपये तथा 5000/- रुपये मूल्य के होंगे।

खादी इंडिया गिफ्ट वाउचर का लोकार्पण करते समय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के नव नियुक्त राज्य मंत्री श्री हरिभाई पार्थीभाई चौधरी और आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष महोदय ने प्रेस को अवगत कराते हुए कहा कि ''इस योजना से विशेष रूप से कॉर्पोरेट हाऊस और मार्केटिंग एजेंसियों को लाभ होगा क्योंकि कॉर्पोरेट वर्ग में उनके कर्मचारियों और ग्राहकों को उपहार देने का यह नया चलन है। यह गिफ्ट वाउचर आयोग के सभी विभागीय बिक्री केन्द्रों में शीघ्र ही उपलब्ध होंगे। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पहली बार इस गिफ्ट वाउचर योजना की शुरूआत की है।

आयोग के अध्यक्ष, श्री सक्सेना ने आगे बोलते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग में खादी की मांग बढ़ रही है और यह गिफ्ट वाउचर आने वाले त्योहारों के समय में बहुत ही लाभप्रद सिद्ध होंगे जिसमें आप अपने प्रियजनों को 500/- रु. की छोटी धनराशि से 5000/- रु. तक के गिफ्ट वाउचर दे सकते हैं और वह अपने पसंद के खादी उत्पादों की खरीदी कर सकते हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए माननीय मंत्री श्री कलराज मिश्र ने कहा कि शीघ्र ही खादी इंडिया के नए विक्रय केंद्र सभी राज्यों की राजधानियों में खोले जायेंगे।

केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री श्री कलराज मिश्र द्वारा नये एमएसएमई राज्य मंत्री श्री हरिभाई पी. चौधरी का स्वागत

श्री हरिभाई पार्थीभाई चौधरी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में नये एमएसएमई राज्य मंत्री के रूप में पदभार संभाला है। इस अवसर पर मंत्रालय में केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री श्री कलराज मिश्र ने श्री हरिभाई पार्थीभाई चौधरी का स्वागत किया।

श्री चौधरी, 9 नवम्बर 2014 से 5 जुलाई 2016 तक गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री के पद पर कार्यरत थे। वह लोकसभा सांसद हैं और गुजरात के बानसकांठा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

श्री हरिभाई चौधरी का जन्म जागाना (गुजरात के बानसकांठा जिले) में हुआ था। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से एम.कॉम की डिग्री हासिल की। राजनीति में आने से पहले श्री चौधरी एक कृषि विज्ञानी एवं एक व्यवसायी थे। बानसकांठा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद के रूप में इनका निर्वाचन तीन बार हुआ है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संसदीय संघ में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जिसमें 145 देशों के 550 सांसदों ने भाग लिया था।

सूक्ष्म उद्योगों से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी

-कलराज मिश्र

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री कलराज मिश्र ने 21 और 22 जुलाई 2016 को अपने गोरखपुर और देवरिया दौरे के दौरान कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' का स्वप्न भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ऊंचाईयों तक ले जाएगा। वह 'युवा संवाद' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

एमएसएमई मंत्री द्वारा खादी एयरपोर्ट बिक्री केंद्र का निरीक्षण

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री कलराज मिश्र ने विशाखापटनम एयरपोर्ट में हाल ही में खोले गए खादी बिक्री केंद्र का 23 जुलाई 2016 को निरीक्षण किया, इस अवसर पर उनके साथ सांसद, श्री के.हरिबाबू, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य, दक्षिण क्षेत्र श्री जी. चन्द्रमौली, कॉयर बोर्ड तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

माननीय मंत्री महोदय ने विशाखापटनम एयरपोर्ट में खादी बिक्री केंद्र खोलने में डिविजनल कार्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पोंडुरु खादी निर्माण की प्रक्रिया और इसकी मांग के बारे में जानकारी प्राप्त की। आयोग के विभागीय कार्यालय, विशाखापटनम के उप निदेशक/प्रभारी श्री एम. भूमइयाह ने

आंध्रप्रदेश में खादी उत्पादों की बिक्री और उनकी मांग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मंत्री महोदय ने विशाखापटनम एयरपोर्ट के बिक्री केंद्र में नियमित विक्रय के लिए खादी और ग्रामोद्योग के विभिन्न उत्पादों को रखने का सुझाव दिया।

विशाखापटनम एयरपोर्ट में खादी बिक्री केंद्र

विशाखापटनम, 8 जुलाई 2016: विशाखापटनम एयरपोर्ट पर हाल ही में एक खादी बिक्री केंद्र का शुभारम्भ किया गया।

इस खादी बिक्री केंद्र को खोलने का मुख्य उद्देश्य इस शहर की भौगोलिक महत्ता, महानगरीय संस्कृति, विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन तथा प्रधान मंत्री द्वारा विशाखापटनम को भारत में स्मार्ट शहरों की सूची में चयनित करना है और इसके फलस्वरूप आज यह नगर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न व्यापारों के लिए व्यस्त हो गया है।

खादी और ग्रामोद्योग के उत्पाद उत्कृष्ट एवं पर्यावरण-

अनुकूल हैं, इसलिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोग इन उत्पादों का उपयोग करना चाहते हैं। इससे न केवल खादी उत्पादों के प्रति जागरूकता का सृजन होगा बल्कि ग्रामीण पारंपरिक कारीगरों को आजीविका अर्जन करने हेतु रोजगार के

(शेष पृष्ठ 19 पर)

उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने महाराष्ट्र के राज्यपाल को आयोग के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी

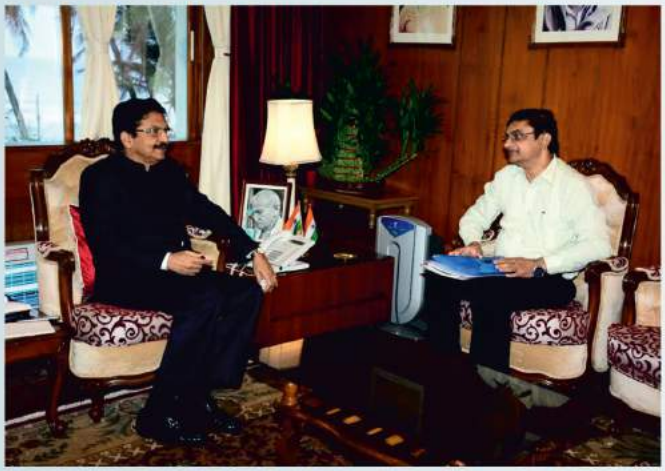

20 जुलाई 2016, मुंबई: महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल, श्री चेन्नामनई विद्यासागर राव ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की गतिविधियों को जानने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री के.एस. राव के साथ एक संक्षिप्त चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने राजभवन में खादी के उपयोग, मुंबई विश्वविद्यालय के छात्रों, गैर सरकारी संगठनों और कॉर्पोरेट्स के लिए पीएमईजीपी और स्फूर्ति योजना की कार्यशाला के आयोजन तथा आंध्र प्रदेश में मेटपल्ली के निकट स्थित नागरम में प्रस्तावित स्फूर्ति क्लस्टर के बारे में भी विचार विमर्श किया।

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के ऑनलाइन कार्यान्वयन हेतु राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम व्यवस्था का ऑनलाइन संचालन करने हेतु कार्यान्वई एजेंसियों और बैंकों को दिशानिर्देश देने के लिए अहमदाबाद में एक राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई थी|

कुटीर और ग्रामीण उद्योग, गुजरात सरकार के मुख्य सचिव श्री एस॰ एल॰ हैदर ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता की | इस अवसर पर श्री आई. ए. चौहान; भारतीय वित्त सेवा, सदस्य सचिव, गुजरात खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, श्री एम.के. बेदी; डीजीएम, एसएलबीसी, सीआरआई के संयुक्त आयुक्त, गुजरात सरकार इत्यादि उपस्थित रहकर इस कार्यशाला की शोभा बढ़ाई. इनके अतिरिक्त गुजरात राज्य एंव दमन और दिव के जिला उद्योग केन्द्रों के सभी महा प्रबन्धक भी इस अवसर पर उपस्थित थे|

इस कार्यशाला में लगभग 153 कर्मचारियों ने भाग लिया|

राज्य कार्यालय के प्रतिनिधि ने इस अवसर पर ऑनलाइन संबन्धित दिशानिर्देशों पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन किया और इस प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के ई-पोर्टल का संचालन करने जैसे आवेदन करने, एजेंसी लॉग इन करने, कन्वेनर लॉग इन करने, डीएलटीएफसी इत्यादि को जानकारी भेजने के बारे में सूचित किया|

आयोग की 635वीं बैठक, दिनांक 27 जुलाई, 2016 को बंगलुरू में संपन्न हुई।

मुख्य मंत्री, गुजरात द्वारा हनी पॉर्लर का उद्घाटन

गुजरात की मुख्य मंत्री श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने वापी, गुजरात स्थित फूड पार्क में हनी पॉर्लर का उद्घाटन किया, इस पॉर्लर के मालिक श्री मनमोहन भाई हैं, जिन्होंने आयोग के राज्य मधुमक्खीपालन विस्तार केन्द्र के सहयोग से इसे विकसित किया है।

आयोग के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा के.एन.एच.पी.आई.,जयपुर दौरा

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने जयपुर, राजस्थान के प्रवास के दौरान 15 जुलाई 2016 को कुमारप्पा हाथकागज संस्थान, सांगानेर, जयपुर का दौरा किया तथा संस्थान की 23वीं शासकीय परिषद बैठक को संबोधित किया।

बैठक में इस अवसर पर आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अरुण कुमार झा; वित्तीय सलाहकार, सुश्री उषा सुरेश और अन्य अधिकारियों भी उपस्थित थे। माननीय अध्यक्ष महोदय ने सांगानेर स्थित कुमारप्पा हाथकागज संस्थान का मुआयना किया तथा इस अवसर पर संस्थान के उप निदेशक/प्रभारी श्री अश्विनी कुमार और कर्मचारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया। बैठक के पूर्व उन्होंने आयोग के वरिष्ठ अधिकारीगण के साथ संस्थान की गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा संस्थान के विभिन्न विभागों जैसे रासायनिक लैब, भौतिक प्रयोगशाला, जैव तकनीकी लैब, प्रायोगिक संयंत्र और पर्यावरण प्रयोगशाला का भी अवलोकन किया। माननीय अध्यक्ष महोदय ने संस्थान की गतिविधियों को समझने में काफी दिलचस्पी दिखाई और वर्तमान प्रणालियों और प्रक्रियाओं में सुधार करने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। उन्होंने परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के प्रसंग पर भी काफी ज़ोर दिया।

इस अवसर पर आयोग के निदेशक, हाथ कागज एवं रेशा उद्योग, श्री एम.बी. काम्बले; राज्य कार्यालय जयपुर के निदेशक, श्री बलधारी सिंह एवं डॉ. विमल कुमार और डॉ. सुनीता चौहान उपस्थित थे। इससे पहले, श्री विनय कुमार सक्सेना ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित किया तथा संस्थान में पौधारोपण भी किया। अपने दौरे के दौरान माननीय अध्यक्ष महोदय ने जयपुर में राजस्थान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष से भी मुलाकात की।

●●●

आयोग के अध्यक्ष हेरिटेज चरखे पर कताई करते हुए

....मानव सेवा समिति द्वारा चरखा संग्रहालय के लिए अध्यक्ष महोदय, चरखा स्वीकार करते हुए

श्री प्रीतपाल धीमन द्वारा चरखा दान में दिया गया

श्री प्रीतपाल धीमन, जोकि व्यवसाय से एक सुतार हैं, ने अपनी स्वर्गीय माता श्रीमती मेहर कौर के लिए आज से 45 वर्ष पूर्व एक चरखे का निर्माण किया था। उनकी माताजी ने इस चरखे पर आठ वर्षो तक काम कर अपने परिवार के लिए अजीविका का अर्जन किया था। उनकी माताजी का 12.05.2016 को निधन होने के पश्चात उनकी पत्नी श्रीमती विद्या देवी ने इस चरखे पर काम करना प्रारम्भ किया। आज, श्री प्रित्पल, स्टार इंडस्ट्रीस (भारत) के प्रबन्ध निदेशक है।

श्री प्रीतपाल द्वारा तैयार किया गया यह चरखा खादी और ग्रामोद्योग आयोग, राज्य कार्यालय, चंडीगढ़ को दान स्वरुप दिया गया। इस अवसर पर श्री अरविंद कुमार, उप निदेशक प्रभारी, राज्य कार्यालय, चंडीगढ़, श्री जे.एस. मलिक, सहायक निदेशक, राज्य कार्यालय, चंडीगढ़ एवं श्री प्रीतपाल का परिवार उपस्थित था।

आयोग द्वारा संसद भवन परिसर में खादी इंडिया स्टॉल का शुभारंभ

श्री कलराज मिश्र, माननीय केन्द्रीय मंत्री सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक: 02.08.2016 को संसद भवन परिसर में दीप प्रज्वलित एवं रिबन काट कर खादी इंडिया स्टॉल का शुभारम्भ किया|

इस अवसर पर श्री गिरिराज सिंह, श्री हरिभाई पार्थीभाई चौधरी, माननीय राज्य मंत्री, सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के साथ- साथ नई दिल्ली से सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी, उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद श्री मनोज तिवारी,पश्चिमी दिल्ली से सांसद श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, डोमरियागंज, उत्तर प्रदेश सांसद श्री जगदम्बिका पाल, सोनीपत, हरियाणा से सांसद श्री रमेश कौशिक, अमरावती, महाराष्ट्र से शिवसेना सांसद श्री आनंदराव अडसूळ, श्री विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष,खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मंत्रालय में संयुक्त सचिव,श्री बी.एच. अनिल कुमार,श्री अरुण कुमार झा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, खादी इंडिया, नई दिल्ली के प्रबन्धक, श्री ऐ.के.गर्ग एवं सुप्रसिद्ध डिजाइनर रितु बेरी के अतिरिक्त कई अन्य सांसद भी उपस्थित थे |

श्रीमती सुमित्रा महाजन माननीय लोकसभा अध्यक्ष, ने श्री विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग के अनुरोध पर संसद भवन परिसर में खादी उत्पाद की बिक्री करने हेतु मौजूदा मानसून सत्र के लिए अस्थाई आधार पर एक स्टॉल का स्थान आबंटित किया है | यह स्टॉल संसद भवन के भूतल पर स्टेट बैंक के काउन्टर के सामने, उस स्थान पर लगाया गया है जहाँ से माननीय सदस्यों का लगातार आवागमन रहता है | यह स्टॉल सांसदों, अधिकारियों, एवं आगंतुकों के लिए खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू की है|

खादी इंडिया स्टॉल में गिफ्ट किट रु. 8000/-, 7500/- आदि उत्पाद के अतिरिक्त जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद क्षेत्र से प्रभावित जम्मू के नगरोटा गावं के परिवारों की महिलायों द्वारा खादी इंडिया के रुमालों (SET OF 6 PIECES) का सैट भी बिक्री के लिए उपलब्ध है, हालाँकि खादी भारतीय नेताओं के लिए कोई नई बात नहीं है | खादी, भारत की आजादी के आन्दोलन की प्रतीक है|

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, अपने उत्पाद माननीय संसद सदस्यों के माध्यम से देश के कोने-कोने में पहुँचने को तत्पर है | खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रयासों से माननीय सांसदों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए खादी को अधिक से अधिक आकर्षित बनाने तथा यह संदेश देश

के कोने-कोने एवं आम आदमी तक पहुँचाने के उद्देश्य से खादी का स्टॉल संसद भवन परिसर में लगाया गया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे कारीगरों को रोजगार प्रदान करने के अलावा संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आयोग के अध्यक्ष द्वारा खादी भवन, कोलकाता का दौरा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई ने खादी को अपने दीक्षांत परिधान के रूप में चुना

गुजरात विश्वविद्यालय के पश्चात अब खादी ने अपने आकर्षण और लोकप्रियता से भारत के उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी संस्थान के अधिकारियों के दिलों को छू लिया है, जिसके चलते संस्थान के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों द्वारा पहने जाने वाले अंगवस्त्र के लिए खादी को 3500 उतरिया की आपूर्ति के आदेश प्राप्त हुए हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग को इसी सप्ताह शहद, कंघी, तौलिया तथा कपास एवं खादी से बने अंगवस्त्रों की 30 दिनों की समय सीमा में आपूर्ति के आदेश दिए हैं।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ``यह एक अर्थपूर्ण विकास है और यह प्रदर्शित करता है कि खादी, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपना स्थान बना रही है।''

अपने संस्थान के सबसे गरिमामयी अवसर पर खादी का चयन करने पर आई. आई. टी., मुंबई की जनसंपर्क अधिकारी सुश्री फाल्गुनी बैनर्जी ने कहा कि ``खादी हमारा राष्ट्रीय प्रतीक है और खादी को आत्मसात कर हम अपने विद्यार्थियों के मन में राष्ट्रीयता की भावना को जगाना चाहते हैं।

(पृष्ठ 13 से आगे....)

अवसर प्राप्त होंगे।

यह बिक्री केंद्र सम्पूर्ण देश के विभिन्न ग्रामीण उद्योगों जैसे 'पोंडुरु फाइन खादी, आन्ध्रप्रदेश के कलमकारी उत्पादों" से सुसज्जित किया गया है। इन उत्पादों के अतिरिक्त खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद जैसे हर्बल शैम्पू, साबुन, शुद्ध शहद, जवादु भी एयरपोर्ट में आने वाले ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगे।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

आयोग के राज्य कार्यालय, नई दिल्ली में

आयोग के राज्य कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 25.05.2016 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य- राजभाषा में प्रलेखन, टिप्पणी एवं प्रारूप तैयार करने की जानकारी प्रदान करना था।

इस अवसर पर कार्यशाला की अध्यक्षता आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. नरेश पाल ने की। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा एवं सदस्य, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य श्री हीरा बल्लभ शर्मा उपस्थित थे।

कार्यशाला में सभी 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में राज्य कार्यालय, नई दिल्ली के उप निदेशक श्री नत्थू लाल तथा सह निदेशक श्री डी.एस. भाटी उपस्थित थे।

वाराणसी में हिन्दी कार्यशाला

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी में दिनांक 29.06.2016 को वित्तीय वर्ष 2016-17 की प्रथम तिमाही की हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर हिन्दी के प्रसिद्ध विद्वान श्री रवीन्द्र जायसवाल, माननीय विधायक, शहर उत्तरी क्षेत्र, वाराणसी मुख्य अतिथि के रूप में एवं डॉ. राम सुधार सिंह, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, उदय प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

अन्त में, श्री ए.पी. जायसवाल, उप निदेशक (प्रभारी) ने कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आप सभी लोगों को इनके अनुभवों से प्रेरणा लेकर शत-प्रतिशत कार्य हिंदी में करने का प्रयास करना चाहिए।

विशालतम चरखे का निर्माण

"कताई करने वाले इस चरखे की सर्वव्यापकता यह है यह सम्पूर्ण विश्व के विभिन्न सांस्कृतिक कलाकृतियों, साहित्य और अन्य अभिव्यक्तियों को दर्शाता है और भारत में यह एक शक्तिशाली राजनीतिक प्रतीक बन गया है | चरखा और चरखे पर कताई करते हुए महात्मा गांधीजी की छवि हमें आज भी गौरव और धैर्य से परिपूर्ण कर देती है|"

इस चरखे की ऊंचाई 17 फीट और वजन चार टन से भी अधिक है | इस चरखे को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य है कि विश्व के सभी समुदायों का भारत की इस ऐतिहासिक विरासत की ओर ध्यान आकर्षित करना एवं जो भारत के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की खोज का भी प्रतीक है |

महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में चरखा ने अग्रणी भूमिका निभाई है, और यह इस समतावादी विश्व में निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करता रहेगा जहां प्रत्येक व्यक्ति प्रसन्नता, समृद्धि तथा समान नागरिकता और अधिकार के साथ जीवन निर्वाह करेगा|

गांधीजी द्वारा भारत के स्वतन्त्रता आंदोलन के प्रतीक के रूप में चरखे का चयन करने का उद्देश्य सभी आधुनिक प्रौद्यौगिकी साधनों को अस्वीकार करना नहीं था, बल्कि शोषक और नियंत्रक आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था का खंडन करना था जिसके अंतर्गत देश में वस्त्र उत्पादन के लिए अनेक बाधाएं थीं | उन्होंने यह भी देखा कि चरखा एक ऐसा अस्त्र है जिसको भारत की आर्थिक स्वतन्त्रता के आधार के रूप में अपनाया जा सकता है एवं भारत के गरीब ग्रामीण क्षेत्र में भी जीवन यापन किया जा सकता है|

इस चरखे की स्थापना के पीछे खादी और ग्रामोद्योग आयोग का उद्देश्य महात्मा गांधी की दक्षिण अफ्रीका से वापसी के उपलक्ष में सौं वी वर्षगांठ मनाया जाना है |

यह चरखा, अहमदाबाद गुजरात में स्थित गांधीजी के साबरमती आश्रम के नजदीक खादी और ग्रामोद्योग आयोग

की इकाई 'प्रयोग समिति' के 42 सुतारों के एक दल द्वारा बनाया गया है | इस चरखे के लिए उच्च गुणवत्तायुक्त सागौन की लकड़ी का उपयोग किया गया है |

महात्मा गांधी ने सदा ही आत्मनिर्भर बनने पर बल दिया था जिसके लिए चरखे की कताई महत्वपूर्ण है| यह सदा शांति का प्रतीक रहा है और सहनशीलता की भी शिक्षा देता है |

विश्व के विशालतम चरखे का निर्माण

खादी हमारे देश में तैयार होने वाला ऐसा वस्त्र है जो कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम का पर्याय रहा है. सौर करघे के द्वारा इसमें नव जीवन का संचार हुआ है तथा इसमें न्यूनतम जल प्रयोग, रोजगार सृजन और उत्पादकता को प्रोत्साहन मिलता है.

चरखा हमारी आने वाली पीढ़ियो को आशा, विनम्रता और दृढ़ता के सन्देश द्वारा हमेशा प्रेरित करता रहेगा.

गांधीजी के चरखे को आज भी इस परिवर्तनशील जगत में समुत्थान की शक्ति, आत्मनिर्भरता और सामर्थ्य का प्रतीक माना जाता है.

चरखा जो आत्मनिर्भरता, उद्यम और दृढ़ निश्चयिता की शक्ति का प्रतिक है, इसके आज भी अनेक अनुगामी और प्रशंसक है.

चरखे की यात्रा......एवं उसके स्वरूप

Khadi India

MSME
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

सहयोग

A livelihood donation programme

Livelihoods are woven yarn by yarn.

And when you enable someone to spin a yarn, you will have given the whole family the ability to weave a life.

Over a million artisans living in rural India, predominantly women, aspire for one single instrumental possession - **Charkha**, which can empower them to spin the Khadi yarn and sustain the family. It just requires an investment of Rs. 13,500/-, which is a hard find for them. A modest donation of said amount can thus buy a **Charkha** for an artisan and sustain a family for life. Such a small donation could build self reliance in those, whose sweat and talent could build the nation from within.

Donate Rs. 13,500/-. Be a part of grass root livelihood support.

सहयोग is India's national consciousness.

Please write a cheque in favour of "Udyog Bharti" and send it to

THE OFFICE OF THE CHAIRMAN
KHADI AND VILLAGE INDUSTRIES COMMISSION
GOVERNMENT OF INDIA
Gandhi Darshan, Gate No. 4, Rajghat, New Delhi -110 002
Tel.:011-2372 4690, Fax: 011- 2372 4693

Charkha
India's global symbol of peace, non-violence and self reliance

Website: www.kvic.org.in

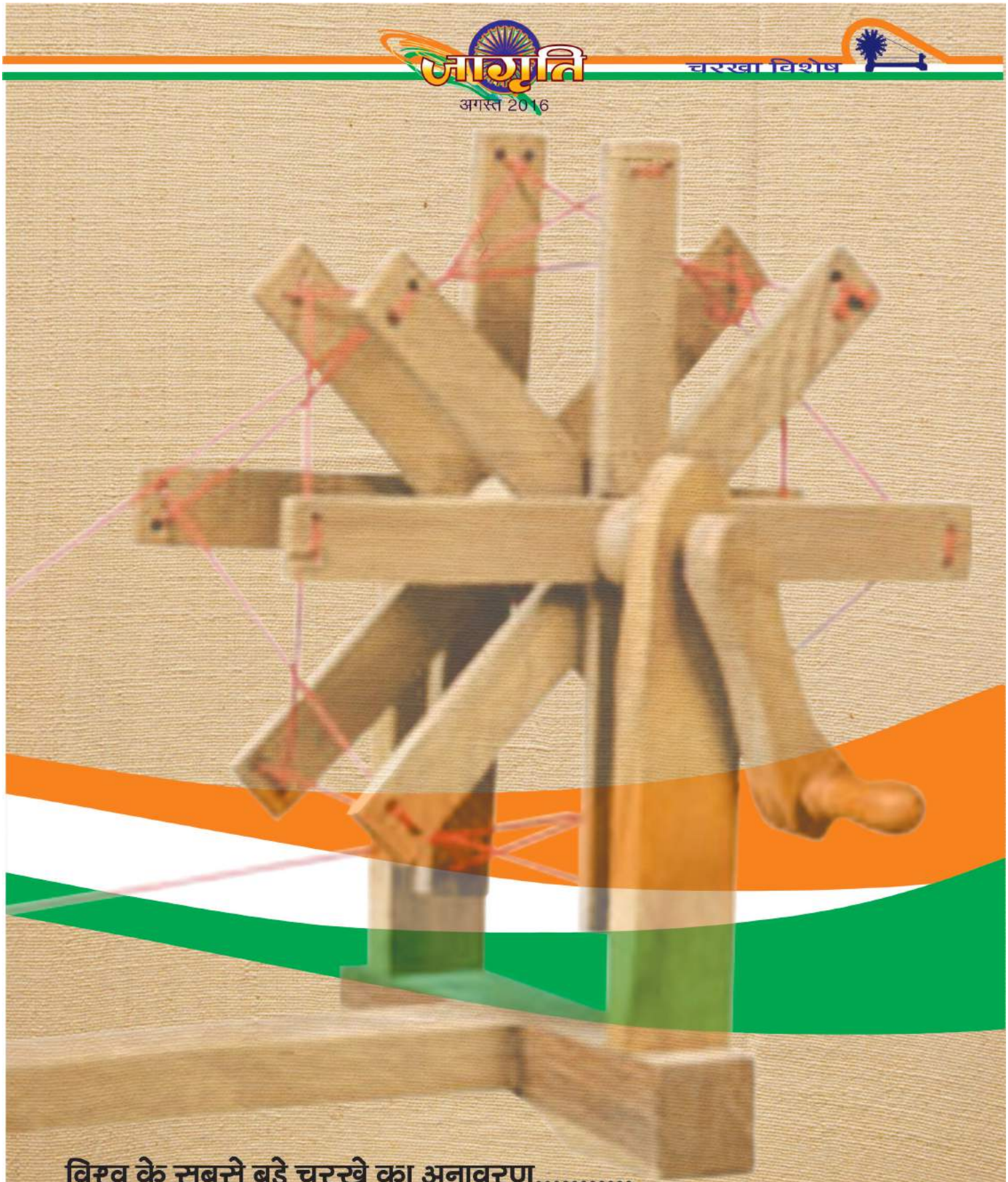

विश्व के सबसे बड़े चरखे का अनावरण.....

स्वतंत्रता दिवस पर बोरीवली, मुंबई स्थित कोरा केन्द्र में राष्ट्रीय ध्वज बनाने की प्रक्रिया का एक अवलोकन

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र की सुर्खियां.....

एमएसएमई को 21 वीं सदी के भारत के औद्योगीकरण की कहानी को फिर से लिखना होगाः कलराज मिश्र

मुंबई। मुंबई में आउटलुक बिजनेस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 17 मई 2016 को माननीय केंद्रीय मंत्री एमएसएमई ने कहा, क्लस्टर विकास बदले आर्थिक परिदृश्य में व्यापार की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और उद्यमशीलता, रोजगार और आजीविका के अवसर प्रदान करेगा और साथ साथ भारत के युवाओं के लिए सहायक और एकजुट पर्यावरण को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने उद्योग आधार ज्ञापन में पंजीकरण के लिए न्यूनतम जानकारी की आवश्यकता के लिए की गई पहल के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा की हम योजनाओं में से अधिकांश को मांग और जरूरत के आधार पर संचालित कर रहे हैं जो की इसको उद्यमी के अनुकूल बनाता है। विभिन्न समूहों में कुल 1018 आम सुविधा केन्द्रों की स्थापना 29 से अधिक राज्यों में की जानी है जिनमें से 677 केंद्रों का काम पूरा हो चुका है और 178 में बुनियादी सुविधाओं के उन्नयन किया जाना है जिसमें से 126 केंद्रों का उन्नयन किया जा चुका है। उन्होंने कहा की एमएसएमई के विकास का राष्ट्रीय उद्देश्य राष्ट्र का विकास है और इसका देश के आर्थिक विकास पर एक बहु असर पड़ेगा। उन्होंने टूल रूम की स्थापना करके पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया। उन्होंने सूक्ष्म और लघु उद्यमों में सार्वजनिक खरीद पर बल दिया और कहा कि यह 20% से 20% अनिवार्य एमएसएमई द्वारा खरीदा जाना चाहिए।

Kalraj Mishra Appreciates JK Govt for PMEGP

Srinagar | Agencies

Appreciating the work of State Government in Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) during 2015-16, the Union Minister for Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) Kalraj Mishra on Sunday said that 23,140 people of Jammu and Kashmir were employed in 3,772 PMEGP units across the state.

The minister added that a record sum of approximately Rs 38 crores was utilised in past two years for assisting a record number of more than 2200 PMEGP units in Jammu and Kashmir. "During the last two years more than 6,80,000 persons were employed by setting up of 92,508 PMEGP units in whole of India. Out of which 23,140 persons were employed in 3,772 units in the state of Jammu and Kashmir," Mishra said while addressing a press conference here on Sunday.

Earlier, the Union Minister inaugurated and addressed to the participants of PMEGP workshop at institute of Hotel Management Rajbagh, here. Jammu and Kashmir Minister for Industries and Commerce, Chander Parkash Ganga was also present on the occasion.

लॉस एंजिल्स में दमकी राजस्थानी खादी

जयपुर. खादी को अब इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर भी काफी सराहना मिल रही है और फॉरेनर्स खादी से जुड़े डिजाइनर कलेक्शन को स्टाइल स्टेटमेंट भी बना रहे हैं। इसकी बानगी लॉस एंजिल्स में आयोजित स्टाइल स्टेटमेंट फैशन वीक में नजर आई। शहर की डिजाइनर राजनीरल बबूता ने इस फैशन वीक में खादी से जुड़े कलेक्शन को पेश किया। कलेक्शन में उन्होंने साड़ी, लॉन्ग अनारकली, जैकेट्स, स्कर्ट और ट्राउजर्स को डिफरेंट अंदाज में रैम्प पर उतारा। फैशन वीक में हिस्सा लेकर लौटी राजनीरल ने कहा कि मैंने शो के लिए भागलपुरी, रॉ और प्योर सिल्क में हैंड वर्क और प्रिंट के कॉम्बिनेशन के साथ मैंने ऑफ व्हाइट, ब्लू, ब्लैक, ग्रे कलर्स में गारमेंट्स तैयार किए थे।

Khadi fabric sales up by 29%, cross ₹1,500cr mark for the first time

► From P 1

Those desi units are funded through schemes such as PM's Employment Generation Programme. A small part of the produce is sold through Khadi Boards and outlets owned by Khadi and Village Industries Commission (KVIC). The majority of products, which could be henna, papad or agarbattis, is directly sold through private shops.

Unlike Patanjali, which has launched a high-decibel campaign, village industry sales have been driven by an aggressive distribution push, including to institutional buyers such as Air India and Indian Railways, said KVIC chairman VK Saxena.

Air India for instance has placed ... order to source khadi products for kits for first and business class travellers.

SLOWDOWN PROOF?

Change in sales between 2015-16 and 2014-15

Company	Change
Khadi & Village Industries	14%
HUL	4.2%
ITC (FMCG other businesses)	7.7%
Dabur	8.1%
Godrej Cons	8.7%

Source: KVIC, Companies

Unlike Patanjali, which has launched a high-decibel campaign, village industry sales have been driven by an aggressive distribution push, including to institutional buyers such as Air India and Indian Railways

Khadi fabric and garment sales witnessed a 29% growth and crossed Rs 1,500 crore mark for the first time. While the government is pushing khadi, there is also a change in the sales mix with ready-made garments now accounting for around 45% compared to nearly 30% two years ago.

KVIC is now tying up with Paytm to offer "high-end products" online. It has also entered into arrangements with companies such as Raymond and Fabindia. Sources said that KVIC will for the first time also enter into franchise agreements for around 20 new stores in Kolkata and Mumbai, with Delhi expected to join later.

Don't know why Guru was hanged, says Mehbooba

Hails 'humility of Indian Muslims', says 'Kashmir youth need to be brought into mainstream'

SAQIB MALIK

Srinagar, May 8: Three years after the secret execution of Muhammad Afzal Guru in New Delhi's Tihar Jail, the J&K Chief Minister Mehbooba Mufti on Sunday said she is still to understand why and what for he was hanged.

Addressing a gathering at the inauguration of Khadi Exhibition at Kashmir Haat here, Mehbooba recalled the hanging of Guru on February 9, 2013, saying his execution evoked a "strong discussion across the board, something unlikely in a country like Pakistan."

"Here one Kashmiri was hanged. We don't even know why he was hanged or what he was hanged for. He was picked up from 28 serial number and hanged. But I am proud of people of India, our Hindu brethren, Muslims, ... academicians ... of them protested his hanging. This is the beauty of this nation. Where does this happen? We have a democratic set up ...

"We have a great nation, a democratic nation. If we look at our neighbouring nation (Pakistan) so many are hanged there in a month. From children to Zulfiqar Ali Bhutto, so many were hanged. But no one can open his mouth there," she said.

Mehbooba hailed Indian Muslims for their humility and peace loving nature.

"If you go to America or Europe and show your Indian passport, they will not create any hassles. This is because Muslims of our country are very peaceful. So I believe our future has been embedded with this country. Our ...

— See Don't know ...

"This alliance was not created so that late Mufti Sahab or me would become the Chief Minister. It's not a big thing. This is a crown of thorns for people like us. But we accepted this crown of thorns with an expectation that you (Centre) will open your treasuries for the people of Jammu and Kashmir.

This is Kashmir. If you take one step, they (people) will take 10 towards you. But if you show them a finger, they will show you the fist. That is why when Vajpayee took one step, our people took ten towards him."

अदालती झंझट से मिलेगी मुक्ति

सुशील मिश्र
मुंबई, 5 मई

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने काम में पारदर्शिता लाने एवं अदालतों में चल रहे मुकदमों को समय पर निपटाने के लिए ऑनलाइन निगरानी प्रणाली की शुरुआत की है। आयोग चाहता है कि अधिकांश मामले अदालत के बाहर ही आपसी समझ से निपटा दिए जाएं। वर्तमान समय में चल रहे सभी विवादित वित्तीय मुकदमों को अगले साल तक खत्म करने की योजना तैयार की गई है।

लघु एवं कुटीर उद्योग को संरक्षण देने वाला देश का सबसे बड़ा संस्थान खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपने सदस्यों को मुकदमेबाजी से मुक्त करने की योजना तैयार कर चुका है।

इसके तहत आयोग ने ऑनलाइन निगरानी प्रणाली की शुरुआत की है साथ ही न्यायिक मामलों से संबंधित एक पुस्तिका भी तैयार की गई है। इसके तहत पुराने विवादों को समझने और नए विवादों को पनपने से रोका जाएगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग को चल रहे न्यायिक मुकदमों को न्यायालय के बाहर ही हल करने की कोशिश करनी चाहिए जिससे समय, धन और मुकदमेबाजी से होने वाली कठिनाइयों से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास होगा कि अगले साल तक मुकदमों की संख्या शून्य कर दी जाए और यह तभी संभव है जब अदालत के बाहर इन्हें निपटाने का काम किया जाए। कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए विधि विभाग ने ऑनलाइन निगरानी की जो शुरुआत की है वह मामलों के निपटाने में बहुत सहायक साबित होगी। खादी और ग्रामोद्योग के अधिकारियों के मुताबिक इस समय करीब 842 मुकदमे अदालत में विचाराधीन हैं जिनमें ज्यादातर वित्तीय लेन देन के हैं। जो मामले अदालत में हैं उनका अध्ययन करने के बाद पता चलता है कि ज्यादातर मामले आपसी समझ से हल किए जा सकते थे जैसे देरी से भुगतान, समय पर माल न पहुंच पाना, काम से संतुष्ट न होना या लेटलतीफी के कारण लोग अदालत गए हैं। जो मामले अदालत में है वह काफी समय से चल रहे हैं इससे लोग परेशान होते हैं। दरअसल अदालतों में काम अधिक होने के कारण छोटे छोटे मामले भी वर्षों चलते रहते हैं। ऐसे में दोनों पक्ष परेशान होते हैं। इस तरह के मामलों के निपटाने के लिए आयोग एक टीम की नियुक्ति कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी कामों की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी।

Khadi, village product sales soar 14% to ₹36,425 crore

Sidhartha@timesgroup.com

New Delhi: India Inc may be complaining of weak rural sales due to poor rains for two years in a row, but khadi and village industries, which manufacture products ranging from honey to soaps and food to handicraft, are clocking a double digit growth.

Data available with **TOI** showed that khadi and village industries sales shot up 14% to Rs 36,425 crore during 2015-16, while top FMCG players reported a much lower sales growth. The exception perhaps is Ramdev's Patanjali, which claimed to have more than doubling its turnover to Rs 5,000 crore last year.

Unlike FMCG firms that largely rely on their own plants for production, khadi and village industry products are manufactured by around seven lakh privately owned household units.

► Khadi fabric sale, P 16

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र की सुर्खियां.....

KHADI ROBES FOR IIT B CONVOCATION

Following in the footsteps of Gujarat University's interest in 'khadi', the Indian Institute of Technology Bombay has placed an order for 3,500 'angavastrams' made of the material, for its students' convocation this year. On using khadi for their most important function, PR officer Ms Falguni Banerjee, commented: "We have adopted it to inculcate a feeling of nationalism in the students."

The institute placed its order with the government body, Khadi and Village Industries Commission, for the robes to be made of honeycomb towel cotton khadi and delivered within 30 days. "This is a significant development and shows that khadi is gaining ground in more spheres of life," said KVIC Chairman Shri Vinai Kumar Saxena.

सात और हवाई अड्डों पर चरखा देगा समता का सुखद संदेश

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर लगा दुनिया का विशालतम चरखा

गांधीवादी मूल्यों का प्रचार

Mehbooba seeks New Delhi's help to revitalize local industry

CM meets MSME minister

Mishra urges banking sector to create entrepreneurship culture in JK

National khadi exhibition inaugurated at Kashmir Haat

THE HINDU

DELHI, MONDAY, MAY 2 2016

IGIA spins larger-than-life yarn

The four-tonne teakwood charkha is being installed by KVIC at Delhi airport

पुस्तिका का लोकार्पण एवं आनलाइन निगरानी प्रणाली का शुभारंभ

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विश्व के विशालतम चरखे का अनावरण

एयर इंडिया क्रू की होगी नई यूनिफॉर्म!

Juma mubarak has become 'juma pathrav': Mehbooba

'CM's chair crown of thorns for me, chosen by Mufti to open Delhi's coffers for J&K'

JK not benefiting much from GoI schemes: minister

2022 तक 1.5 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित करेंगे : कलराज

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र की सुर्खियां.....

A 'VOUCHER' WITH LOVE

OUR CORRESPONDENT

GIFTS ARE not just exchanged but given away as an expression of love and appreciation. We often tend to spend sleepless nights trying to spot the perfect gift for someone, but no more wracking your brain trying to figure out the suitable gifts for your near and dear ones.

The Khadi and Village Industries Commission is all set to introduce gift vouchers for a range of denominations – Rs 500, Rs 1,000, and Rs 5,000. You just need to buy the vouchers and gift them to your friends and family and they can then use them to buy Khadi products of their choice. This scheme would particularly be helpful for corporate houses and marketing agencies as they can gift their employees and clients with this new gifting trend and marketing strategy for alluring favoured patrons.

Prime Minister Narendra Modi in his first 'Mann Ki Baat' radio programme gave a clarion call to all the countrymen to buy at least one product of Khadi and support the rural artisans. This scheme would give a major boost to that call. The gift voucher scheme is being introduced in KVIC's all departmental sales outlets (DSO) across the country.

Kalraj Mishra, Union Minister of MSME, Govt of India launched the Gift Voucher Scheme on Tuesday, July 19 at the iconic Khadi Gramodyog Bhavan in Regal Buildings, Connaught Place, in the national Capital. In the presence of Giriraj Singh, Haribhai Parthibhai Chaudhary, Ministers of State, Ministry of MSME, Vinai Kumar Saxena, Hon'ble Chairman KVIC, K.K. Jalan, Secretary, MSME and Arun Kumar Jha, CEO, KVIC also graced the occasion by his presence.

Khadi Gramodyog Bhavan is KVIC's largest and the oldest departmental sales outlet. Since it is the largest and oldest showroom, it is designed as a replica of the entire Khadi and Village Industries sector in the national Capital of country.

Now, khadi at IIT-B convocation to evoke nationalism among students

Neelam Pandey

NEW DELHI: The Indian Institute of Technology-Bombay has chosen khadi angavastrams, a Hindu traditional white piece of cloth or stole, for the convocation ceremony of its graduating batch.

The move is aimed at evoking a feeling of nationalism in students as khadi is a "national symbol", IIT-Bombay director Devang Khakhar said. Sources said the institute has ordered 1,500 angavastrams made of honey comb towel cotton khadi. Students will drape the piece of cloth over their clothes to mark the occasion.

Khadi has been at the centre of Narendra Modi's plan of reviving the traditional textile industry and the prime minister has repeatedly exhorted the public to increase its use of the fabric, especially through his monthly radio address, Mann ki Baat.

But the decision is expected to reignite allegations that the government is trying to saffronise education and introduce Hindu elements in top institutions to bolster its cultural agenda. Earlier this year, Gujarat Technological University made khadi compulsory for its convocation.

CONTINUED ON P10

किसी को उपहार देना है...के वी आई सी का गिफ्ट वाउचर है न

12

Go swadeshi by presenting Khadi gift vouchers

STAFF REPORTER

NEW DELHI: Planning to present someone a gift voucher? Now you have a swadeshi option.

The Khadi & Village Industries Commission (KVIC) on Tuesday introduced Khadi India gift vouchers, which range from Rs. 500 to Rs. 5,000. The gift vouchers were launched in a ceremony at the Khadi India Outlet at Regal Building in New Delhi's Connaught Place area.

"The scheme would particularly be helpful for corporate houses and marketing agencies to gift their employees and clients as it is the new gifting trend in the corporate sections," said KVIC Chairman V.K.Saxena at the ceremony. Mr. Saxena said that KVIC is aggressively doing marketing of Khadi and Village Industries products and the gift vouchers are a new component added to the marketing strategy to attract customers and increase its sales. The Khadi India gift vouchers were launched by Kalraj Mishra, Union Cabinet Minister of Micro, Small and Medium Enterprises. Newly appointed Minister of State Haribhai Prathibhai Chaudhary was also present during the launch of the coupons.

केवीआइसी ने गिफ्ट वाउचर लांच किए

खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआइसी) ने खादी उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के उद्देश्य से गिफ्ट वाउचर लांच किए हैं। एमएसएमई मंत्री कलराज मिश्र ने एक समारोह में इनकी शुरुआत करने की विधिवत घोषणा की। खादी ग्रामोद्योग आयोग ने 500, 1000 और 5000 रुपये की कीमत वाले गिफ्ट वाउचर लांच किए हैं। इस मौके पर केवीआइसी के चेयरमैन वीके सक्सेना भी उपस्थित थे।

SADA-E-WATAN JADEED URDU DAILY NEW DELHI 5

کھادی کی فروخت کو بڑھاوا دینے کے لئے
KVIC نے لانچ کئے گفٹ واؤچر

खादी ग्राम उद्योग आयोग ने शुरू की गिफ्ट वाउचर स्कीम

छाया : हरि प्रकाश

नई दिल्ली (ब्यूरो) : खादी को बढ़ावा देने के लिए खादी और ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) ने मंगलवार को राजधानी के कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया आउटलेट पर गिफ्ट वाउचर स्कीम की शुरुआत की। एमएसएमई मंत्री कलराज मिश्र ने इस स्कीम का उद्घाटन किया। इस मौके पर केन्द्रीय राज्यमंत्री हरिभाई पार्थीभाई चौधरी और केवीआईसी के चेयरमैन वीके सक्सेना भी मौजूद रहे। स्कीम के तहत 500, 1000 और 5000 के गिफ्ट वाउचर दिए जाएंगे।

खादी ग्रामोद्योग ने लांच किया गिफ्ट बाउचर

MoneyMakers

KVIC launched Gift Vouchers to boost Khadi Sale

New Delhi/ July 19

PDP-BJP blame one another for Kashmir unrest

सामान के हर वर्ग में खादी की मांग दिन पर दिन बढ़ती जा रही है त्योहारों के दिनों में लोग खादी की नई योजना का लाभ ले सकते हैं वह 500 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक के गिफ्ट वाउचर अपने किसी भी प्रिय को उपहार स्वरूप भेंट कर सकते हैं।

खादी आयोग लेकर आया 'गिफ्ट वाउचर'

नई दिल्ली, लोकसत्य

जल्द ही खादी आयोग देश के सभी राज्यों की राजधानियों में अपने आउटलेट खोलेगा

کھادی کی زیادہ مارکیٹنگ کیلئے گفٹ واؤچرز اسکیم کی شروعات

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र की सुर्खियां.....

A slice of made-in-India: 17-ft tall charkha at IGI

WORLD'S LARGEST CHARKHA

BJP President Amit Shah inaugurated the world's largest 'charkha' at Terminal 3 of IGI airport Tue *charkha*, made from Burma teakwood, is 9-feet wide, 17-feet tall and 30-feet long. Tashi Tobgyal

सूक्ष्म उद्योगों के जरिये बढ़ाएंगे रोजगार : कलराज

जगाई उम्मीद

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशाल चरखे का लोकार्पण

नई दिल्ली, (ब्यूरो): इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर मंगलवार को दुनिया का सबसे बड़ा चरखा स्थापित किया गया। लकड़ी के बने इस चरखे को गांधीजी के अहिंसक आंदोलन के प्रतीक के तौर पर विदेशों से आने वाले टूरिस्ट और गेस्ट और ब्यूरोक्रेट्स को दिखाया जाएगा। यह चरखा 4 टन लकड़ी से बना है। इसका लोकार्पण भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने किया। इस मौके पर पर्यटन मंत्री महेश शर्मा के अतिरिक्त लघु एवं मझौले उद्यम मंत्री कलराज मिश्रा आदि भी उपस्थित थे। चार टन भारी बर्मा सागवान की लकड़ी से बने इस चरखे के जीवन काल का अनुमान 50 साल से अधिक लगाया गया है। यह 9 फीट चौड़ा, 17 फीट ऊंचा और 30 फीट लंबा है। यह अहमदाबाद के उच्च दक्षता वाले 42 बढ़इयों के एक दल द्वारा बनाया गया है। अज्ञात सैनिकों की तरह चरखा भी उन अज्ञात ग्रामीण लोगों का स्मारक है जिन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आत्मनिर्भरता और श्रम की प्रतिष्ठा के प्रदर्शन करने के आह्वान को सुना। जब श्रद्धा के साथ हम चरखे का कीर्तिगान करते हैं तो हम प्रतीकात्मक रूप से खादी शिल्पकारों के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पितकरते हैं।

बताया जा रहा है कि इस चरखे को करीब 26 कारीगर और कारपेंटर्स ने मिलकर 40 दिनों में तैयार किया है।

मुंबई आस-पास

खादी ग्रामोद्योग ने किया विशालतम चरखे का निर्माण

स्वदेशी आंदोलन को दी श्रद्धांजलि

millenniumpost — Quick News

World's largest wooden Charkha to be unveiled

NEW DELHI: In an attempt to promote khadi, the Centre is all set to unveil world's largest wooden Charkha (spinning wheel) on Tuesday. The charkha, which has been installed by Khadi & Village Industries Commission (KVIC) at T-3 at IGI Airport, has been made by an Ahmedabad KVIC unit. According to a KVIC official, the four-tonne Charkha made from high-quality teak wood, which is estimated to last for over 50 years, was built by ... and carpenters who com- ... "It was the initiative of ... axena who decided to ... charkha at the Inter- ... to showcase India's ... the world through ... 2,50,000 people," ... official said, add- ... by Bhartiya Janata

MPOST

आईआईटी मुंबई के दीक्षांत समारोह में दिखेगा खादी

केवीआईसी को 3500 उतरिया का आर्डर

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. आईआईटी मुंबई के दीक्षांत समारोह में इस वर्ष आकर्षण का मुख्य केंद्र खादी रहेगा. गुजरात विश्वविद्यालय के बाद खादी ने अपने आकर्षण और लोकप्रियता से भारत के उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी संस्थान के अधिकारियों के दिलों को भी छू लिया है. इस वजह से आईआईटी संस्थान ने दीक्षांत समारोह के दौरान खादी के वस्त्रों का उपयोग करने का निर्णय लिया गया है. दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों द्वारा पहने जाने वाले परिधान उतरिया खादी से बनाने का फैसला लिया गया है.

इसके लिए आईआईटी मुंबई द्वारा 3500 ... उतरिया का ऑर्डर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) को दिया है. आयोग को शहद कच्ची तौलिया कपास एवं खादी से बने अंगवस्त्रों की 30 दिनों की समय सीमा में आपूर्ति के आदेश दिए हैं.

जागृत होगी राष्ट्रीयता की भावना

केवीआईसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि यह एक अर्थपूर्ण विकास है और यह प्रदर्शित करता है कि खादी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में स्थान बना रहा है. संस्थान के सबसे गरिमामयी अवसर पर खादी का चयन करने पर आईआईटी मुंबई की जनसंपर्क अधिकारी फाल्गुनी बैनर्जी ने कहा कि खादी हमारा राष्ट्रीय प्रतीक है और खादी को ...

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
WEDNESDAY, JULY 06, 2016

World's largest charkha unveiled at Delhi airport

CULTURAL HERITAGE The 4-tonne charkha was made by 42 carpenters in 55 days

THE HINDU

New Delhi, Tuesday, July 19, 2016

WHEELING AROUND

Coming soon: a steel charkha in the heart of the Capital

The charkha will be installed above Palika Bazar, opposite Regal building

The charkha will be made of stainless steel because unlike the airport, here it will be exposed to elements like rain